श्रीसेवायतन

शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेदशिखर अनादिकाल से तीर्थंकरों एवं कोटि-कोटि मुनिराजों की साधना-स्थली एवं निर्वाण-स्थली के रूप में प्रख्यात है, इस निर्वाण भूमि का कण-कण पूजनीय है।

किन्तु वर्तमान में जैन धर्म की कीर्तिपताका सम्वाहक इस चिरवंदनीय क्षेत्र के आस-पास बसे ग्रामीणों की दशा अत्यन्त दयनीय है। पचासी प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करती है, रोजगार की तलाश उन्हें ऐसे कार्य करने को विवश करती है. जिससे तीर्थराज की पवित्रता एवं पर्यावरण प्रभावित हो रहा है।

अतः तीर्थराज की पूज्यता एवं प्राकृतिक संरचना को यथावत् रखने के लिए यहाँ के निवासियों का सर्वांगीण विकास परमावश्यक है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हो और समाज के प्रति उनकी श्रद्धा और आत्मीयता भी वृद्धिंगत हो। और वे तीर्थराज की महत्ता को भी पहचाने।

इसी उद्देश्य की पूर्णता के लिए परमपूज्य संत शिरोमणी आचार्य गुरूवर विद्यासागर जी महाराज के परम आशीष एवं उनके ही परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज की पावन प्रेरणा से श्रीसेवायतन का गठन किया गया है।

उद्देश्य एवं कार्य योजनाएँ

1. पर्वतराज पर बसे लोगों को वैकल्पिक रोजगार देकर नीचे लाना।
2. मधुबन बस्ती के चारों ओर बसे चौदह गाँवों का सर्वांगीण विकास कर उन्हें स्वस्थ, शिक्षित, संस्कारी, स्वावलम्बी एवं समृद्ध बनाना।
3. स्वरोजगार हेतू स्वयं सहायता समूह का गठन एवं कुटीर उद्योगों के प्रशिक्षण एवं स्थापना में सहयोग कराना।
4. प्रौढ़ शिक्षा महिला सशक्तता एवं बेरोजगार महिलाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध कराना।
5. अहिंसक, व्यसनमुक्त, मैत्रीयुक्त सद्भावी समाज की स्थापना करना।

दुग्ध उत्पादन योजना

- गाय वितरण योजना
- सरकार द्वारा डेयरी प्रशिक्षण
- सरकार द्वारा मिल्क चिलिंग प्लाण्ट की स्थापना
- मार्केटिंग एवं विक्रय सरकार का उत्तरदायित्व
- प्रत्येक परिवार को कम से कम सौ रुपये प्रतिदिन की आय
- पाँच सौ परिवारों को स्वरोजगार देने का लक्ष्य

उपलब्धियाँ

- आदर्श ग्राम वगदाहा शत प्रतिशत शाकाहारी
- युवा नशामुक्त एवं ग्राम विकास में संलग्न
- अहिंसक एवं रसायन रहित खेती प्रारम्भ
- हेन्ड पम्प द्वारा पेयजल की उपलब्धता
- प्रत्येक परिवार के घरों में सोलर लालटेन की व्यवस्था
- अनिल झील से निकली नहर का मरम्मतीकरण कराकर सिंचाई हेतू जल की उपलब्धता।
- सीता नाला पर चेक डेम का निर्माण
- प्रशिक्षण प्राप्त युवकों द्वारा साक्षरता अभियान चलाना
- विद्यालयों में बच्चों की संख्या में वृद्धि
- बगदाहा की 90 प्रतिशत आबादी साक्षर
- प्रत्येक परिवार को फैमिली हेल्थ कार्ड द्वारा दवाई देना
- श्रीसेवायतन सेवा कार्य हेतू झारखण्ड-रत्न सम्मान से सम्मानित

संचालित गतिविधियाँ

- व्यक्तित्व विकास
- साक्षरता अभियान
- चिकित्सा शिविर
- योग शिक्षण
- ग्राम सौन्दर्यीकरण
- जीवन कला प्रशिक्षण
- प्रौढ़ शिक्षा एवं नशा मुक्ति अभियान

- अहिंसक एवं रसायन रहित खेती का प्रशिक्षण
- सिंचाई, बिजली एवं पेयजल की व्यवस्था

आपका सहयोग - हमारा संबल

- पर्वतराज पर स्टाल लगाने का अनुमानित खर्च रुपया 21000
- भगवान पार्श्वनाथ शिक्षा अनुदान रुपये 1100 प्रतिवर्ष (एक बच्चे के एक वर्ष के सम्पूर्ण अध्ययन हेतू)
- एक परिवार को आदर्श परिवार बनाने के लिए रुपये 11000 एक मुश्त एक परिवार को आश्रयदाता बनकर दो गाय देकर रुपये 21000
- एक गाय देकर रुपये 11000
- एक दिन का औषधिदान रुपये 1100

आप इन योजनाओं की उपादेयता को स्वीकार कर तीर्थराज की पवित्रता, अक्षुण्ण सुरक्षा तथा यहाँ पर बसें लोगों को आदर्श परिवार बनानें में सहयोग प्रदान कर पुण्यार्थी बनें।

आप अपना आर्थिक सहयोग चेक अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा श्रीसेवायतन के नाम से बैंक आफ् इण्डिया पारसनाथ शाखा कोड क्रमांक 4809 (बैंक एकाउण्ट नम्बर 5140) एवं बैंक आफ इण्डिया हजारीबाग शाखा की कोर बैंकिंग नम्बर 481010210000001 पर भेजें।

सम्पर्क सूत्र

श्रीसेवायतन

कुन्द कुन्द मार्ग, मधुवन, सम्मेद शिखर जी

जिला- गिरिडीह, पिनकोड 825329 (झारखण्ड) भारत

09431144900, 09431140177, 09431140443, 09470118671

06558-232428